3. लालची कुत्ता और हड्डी

मोती नामक एक कुत्ते को मांस लगा हड्डी का एक बड़ा सा टुकड़ा मिला। उसने हड्डी मुहँ में दबाया और अपने घर की तरफ चल दिया।

रास्ते में एक नहर पर बने हुए पुल पर से गुजरते हुए मोती ने अपने को कहा - ''आज खाने का बहुत स्वाद आएगा।'' पुल के ऊपर ठीक आधे में पहुँच कर मोती ने पानी में झाक कर देखा, उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी, उसने सोचा पानी में एक और कुत्ता भी है जिसके मुहँ में भी मांस वाली हड्डी है।''

वह लालची तो था ही , दूसरी हड्डी को भी पा लेने के लिए वह जोर से भौंकता हुआ पानी में कूद गया। पानी में तैर कर जैसे ही मोती किनारे पहुँचा, उदास हो कर बोला - '' वाह रे मोती तूने अपनी हड्डी भी गवा दी।''

सीख :- लालच बुरी बला है।

बगुला भेड़िये को अपने सामने देख सहम गया और भय से कांपने लगा। परन्तु भेड़िये के बार-बार प्रार्थना करने पर वह भेड़िये के गले में फंसी हड्डी को बाहर निकालने के लिए तैयार हो गया। उसने सोचा कि शायद भेड़िया अपनी जान बचाने के बदले कुछ इनाम दे ही दे।

बगुले नें अपनी लम्बी चोंच भेड़िये के मुहँ में डाल कर गले से हड्डी निकाल दी और भेड़िये की जान बच गई।

बगुले ने भेड़िये से कहा - '' अब मेरा इनाम दो ''।

चालाक भेड़िया बोला कि मेरी तरफ से तुम्हे सबसे बड़ा इनाम यह है कि मैंने तुम्हारी जान बख्श दी , तुम्हे मारा नहीं।

सीख :- अपने दुश्मन पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए।

www.creativeworksheetshub.com

Name..... Date.....

लड़का और बिछुआ

एक बार की बात है, एक जवान लड़का था। वह एक खुशमिजाज और मस्ती करने वाला बच्चा था। वह एक आज्ञाकारी बच्चा था जिसकी माँ उसे प्यार करती थी।

एक दिन जब लड़का मैदान में खेल रहा था। अचानक उसे बिछुआ ने काट लिया। घायल होकर घर भागा। अपनी माँ से मिलने पर उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटे से घास ने काट लिया है।

उसकी माँ ने कहा, "मेरा सुझाव है कि अगली बार जब आप बिछुआ को अपने हाथ में पकड़ें तो उसे मजबूती से पकड़ें। यदि आप इसे जोर से पकड़ेंगे तो यह आपको कभी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।"

आप जो भी करें, साहसपूर्वक करें।

शिक्षा -: आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

16. लालू और पीलू

एक मुर्गी थी। मुर्गी के दो चूज़े थे।
एक का नाम था लालू। दूसरे का नाम था पीलू।
लालू लाल चीज़ें खाता था।
पीलू पीली चीज़ें खाता था।
एक दिन लालू ने एक पौधे पर कुछ लाल-लाल देखा।
लालू ने उसे खा लिया।
अरे, यह तो लाल मिर्च थी!

© NCERT not to be republished